'आओ पढ़ें' श्रृंखला

पुस्तकों की यह श्रृंखला, बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने में शिक्षकों और अभिभावकों की मदद कर सकती है। इन्हें कक्षाओं में, वाचनालयों में और घरों में भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

विषय-वस्तु बच्चों की जानी-पहचानी दुनिया से ली गई है। छोटे, सरल वाक्य, बार-बार दोहराए गए शब्द, रोचक चित्र - ये सभी आरम्भिक अवस्था में पढ़ना आसान बनाने में बच्चों की मदद करते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें पढ़ने में आनन्द आता है। बच्चों को, आरम्भिक वर्षों में, 'असली पुस्तकें' पढ़ने की भी सुखद अनुभूति होती है।

जंगल में कौन-कौन?

सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज़, पुणे

जंगल में कौन-कौन?

मूल मराठी लेखिका - मंगला गोडबोले

हिन्दी रूपान्तरण - मीता श्रीवास्तव

चित्र सज्जा - जयंती मनोकरण

मुख्य पृष्ठ सज्जा - संध्या राडकर

मार्गदर्शन - ज़किया कुरियन

मूल मराठी प्रकाशन 1992
प्रथम हिन्दी प्रकाशन 2006
पुनर्मुद्रण 2011

E-mail : clr@vsnl.com ; Website : www.clrindia.net
प्रकाशन
द लर्निंग ट्री, पुणे
E-mail : ltree@rediffmail.com
मुद्रक
मुद्रा, पुणे
ISBN : 81 - 903481 - 6 - 7 (SET)

कितने दिनों से,

देखा नहीं शेर।

जंगल का राजा,

वहाँ रहता हर बेर।

कितने दिनों से,

देखा नहीं जिराफ़।

इतनी ऊँची गरदन,

बाप रे बाप!
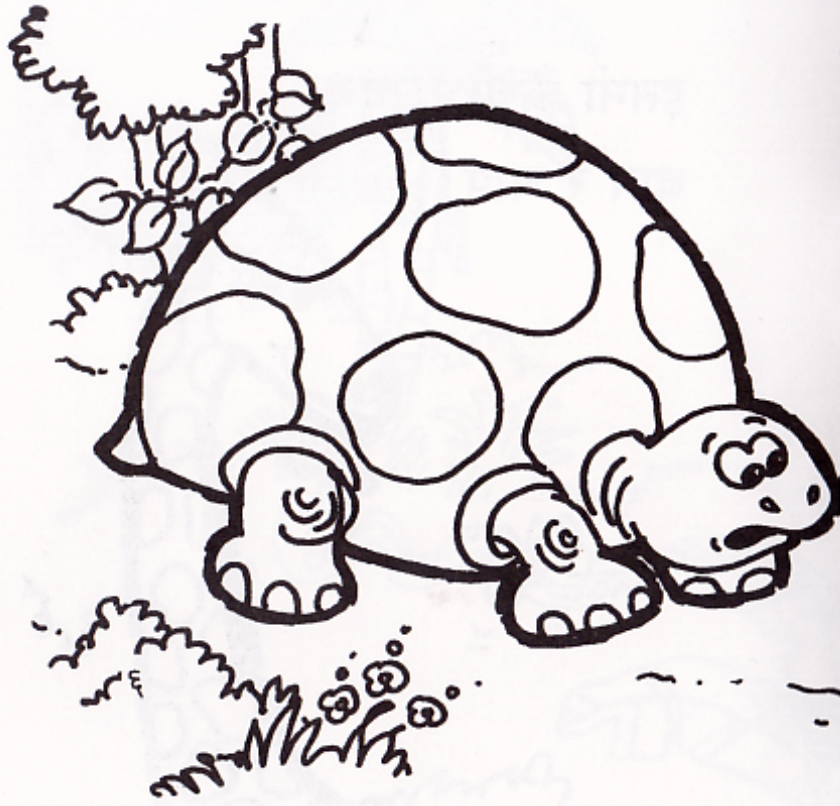
कितने दिनों से,

देखा नहीं कछुआ।

आगे-आगे ख़रगोश,

पीछे-पीछे कछुआ।

कितने दिनों से,
देखा नहीं मगर।

ठंडी नदी में
है उसका घर।
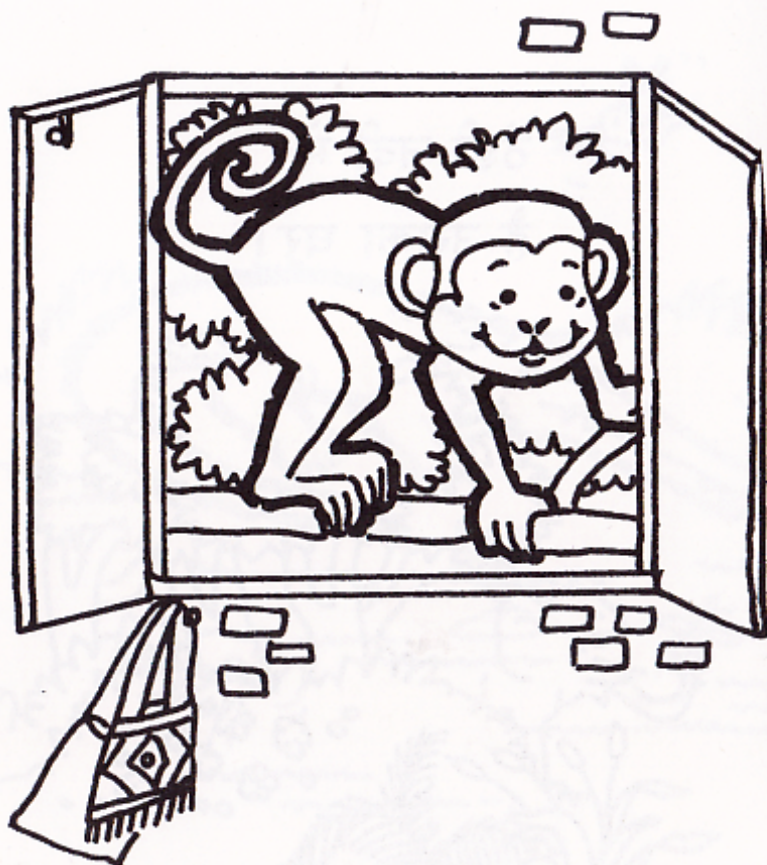
कितने दिनों से,

देखा नहीं बंदर।

माँ बोली, "देखो

मुँह शीशे के अन्दर।"

इस पुस्तक की रचना **सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज़ (सीएलआर)** ने की है। यह एक गैर लाभकारी स्वयंसेवी संस्था है। यह सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं और स्कूलों को शिक्षण के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करती है। संस्था का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के स्तर में सुधार लाना और आर्थिक, सामाजिक दृष्टि से पिछड़े बच्चों के हितों को बढ़ावा देना रहा है। 'सीएलआर', शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए शोध, प्रशिक्षण, शैक्षिक सामग्री तैयार करना, शैक्षिक कार्यक्रमों में समर्थन और परामर्शी कार्यों में रत है।

सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज़
8 डेक्कन कॉलेज रोड
येरवडा, पुणे - 411 006
E-mail : clr@vsnl.com • Website : www.clrindia.net